आज दफ्तर कैसा रहा अशोक?
बढ़िया, पर कल मुझे एक हफ्ते के लिए दफ्तर के काम से दिल्ली जाना होगा।
पर...पर शुक्रवार का हमारी शादी की सालगिरह है।
माफ करना सावी ऐसा करेंगे कि हम बाद में बढ़िया से मनायेंगे
मुझे ये बिल्कुल पसन्द नहीं एक तो अकेले रहूँ अकेले के लिए पूरा खाना बनाऊँ खाऊँ।
मैं तुम्हारी झुंझलाहट महसूस कर सकता हूँ ऐसा करना पड़ोस के दोनों लड़कों को बुला..
...लेना वो भी खुश हो जायेंगे बिचारे डिब्बा बन्द खाना खा खाकर बोर हो गये होंगे।

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

चाय पर
उम्मीद है भाभी तैयार मिलेगी।
Ding Dong!
भई वाऽऽह!
जल्दी कर बच्चे, कहीं तेरी चाय ठन्डी न हो जाये।
उम्म्म्ह! ये इतने भड़कीले कपड़े कहाँ से लायीं भाभी?
उम्म्म्ह! मैं बाजार गई थी कुछ हफ्तों पहले तो...
एक बड़ा मददगार दुकानदार मिला उसी ने ये सुझाई।
WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

तो तू अपने सपने पूरे क्यों नहीं करता?
उई माँ! कितना सख्त और गरम!
आऽऽह भाभी! आपकी छातियाँ कितनी रेशमी और गुदगुदी हैं
आऽऽह!
भाभी!!!
WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

कुछ ही मिनटों में
आओ वरुन...
जल्दी आ गये?
हाँ, क्लास जल्दी खत्म हो गया.
उफ, बस 15 मिनट और मिल जाते तो मेरा क्लास भी खत्म हो जाता
लगता है मेरी चूत को ढंग की चुदाई को लिए थोड़ा और इन्तजार करना पड़ेगा।
WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

हाँ अब तेरी बारी, तू भी तो भाभी को खुश कर
लगता है तेरा लण्ड तो अगली पारी के लिए तैयार भी हो गया
हाँ भाभी ये चाहता है कि आप इस पर चढ़कर झड़ने तक जमके सवारी करे
हम्म्म, मैं तेरा लन्ड अपनी चूत में डलवा के महसूस करने के लिए कब से बेकरार थी।
DING DONG!
WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

थोड़ी ही देर में
क्यों न ताश खेले मैं अपने कालेज के जमाने में मैं वास्तव में अच्छी खिलाड़िन थी।
मेरा चेक
मेरी कॉल
ऑऽऊं भाऽभी!
भाभी! बिना पैसे के तीन पत्ती बड़ा उबाऊ लगता है।
हाँ भाभी! वैसे ही खेलते हैं
हम्म...क्यों न हम कोई और चीज़ दॉव पर लगायें।
WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

पहली बाजी
लगता है आज रात तुम दोनों लड़के मेरे घर से बिना कपड़ो के नगे ही जाओगे!
दूसरी बाजी
इस बार मैं जीत गया!
हाँ भाभी शाबाश!
मुझे महसूस हो रहा है कि इस खेल के नतीजों से अशोक जरा भी खुश नहीं होगा।
WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

कुछ बाजियों के बाद
हे! लगता है मैं आखरी बाजी भी जीत गई
यहाँ आजा वरुन ताकि भाभी तेरा बाक्सर उतार सके
लगता है भाभी की छातियाँ देखदेख जोश मे भरे दोनों भाइयों के हथियार बुरी तरह अकड़ रहे हैं।
क्यों न हम एक बाजी और खेलें?
जो जीतेगा वही मैच का विजेता माना जायेगा।
पर अगर हम जीते तो हमे मिलेगा क्या भाभी?
वो एक राज है लड़कों...
तो अगर वो राज जानना है तो तुम्हें ये खेल जीतना ही होगा
WWW.KIRTU.COM

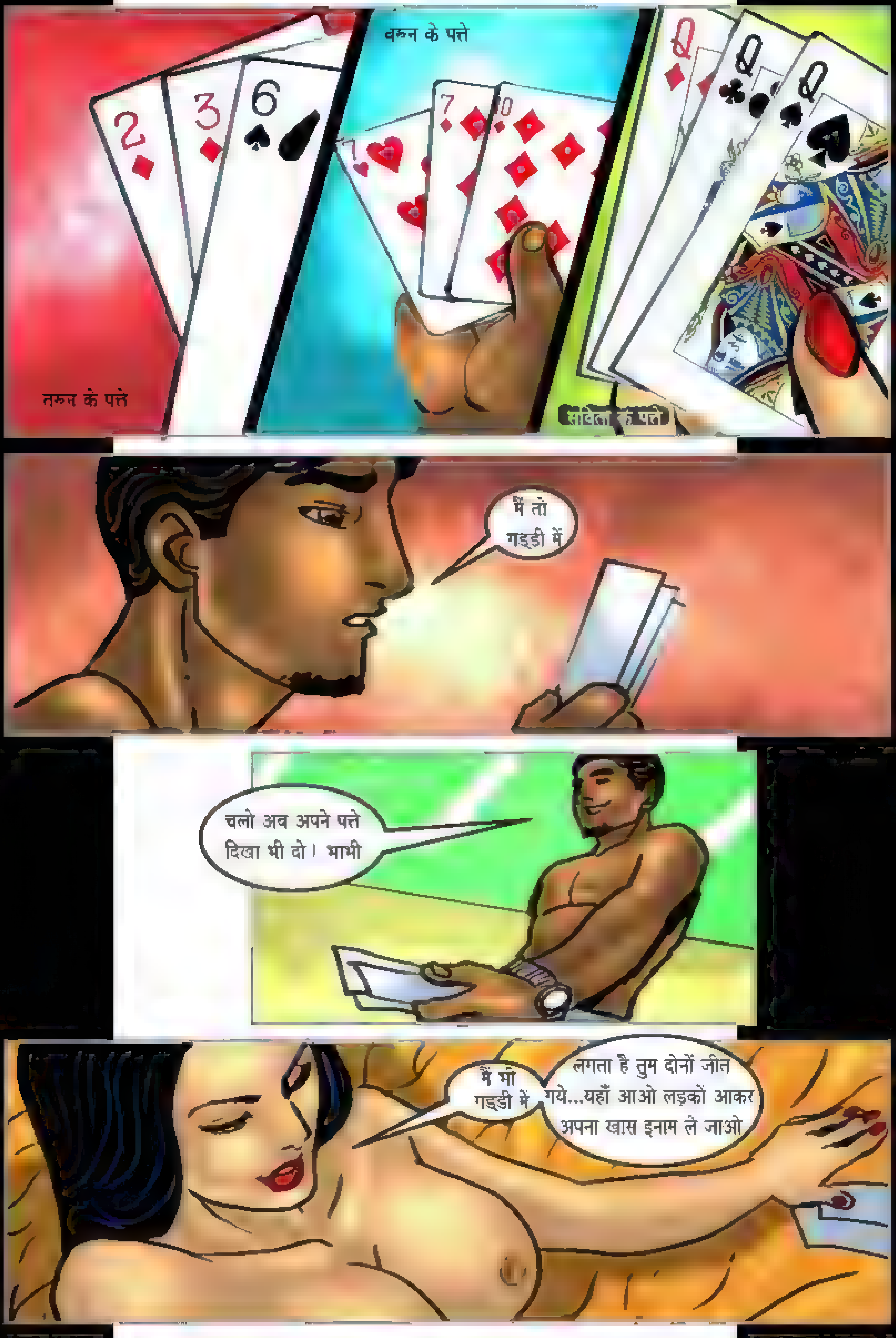
वरून के पत्ते
तरून के पत्ते
सविता के पत्ते
मैं तो गड्डी में
चलो अब अपने पत्ते दिखा भी दो। भाभी
मैं भी गड्डी में
लगता है तुम दोनों जीत गये...यहाँ आओ लड़कों आकर अपना खास इनाम ले जाओ
WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

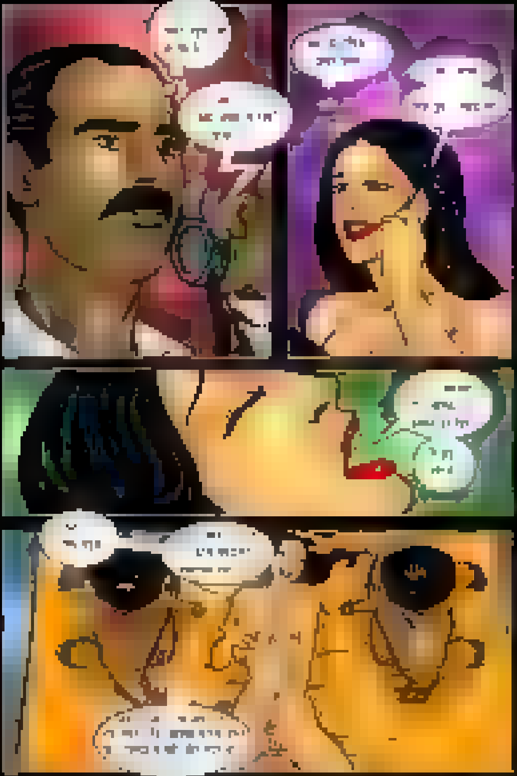

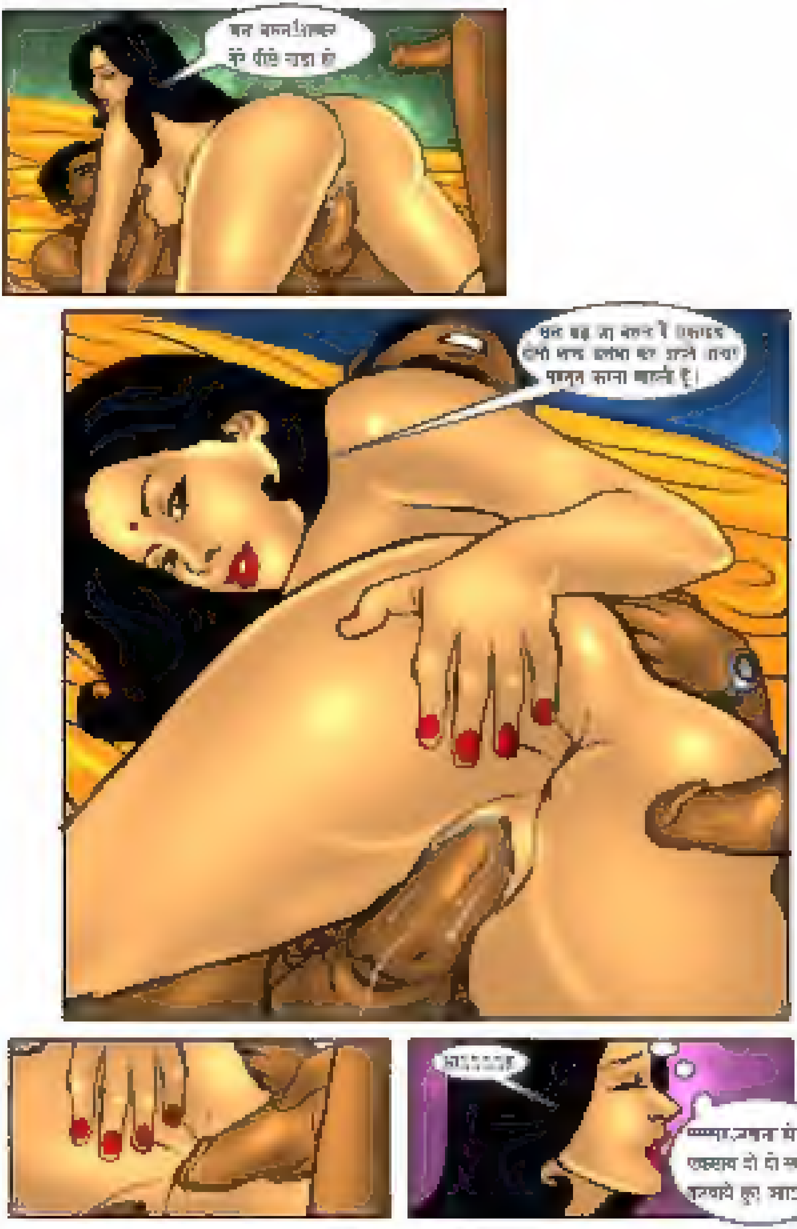

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

www.kirtu.com